यूपी में नहीं बढ़ा गन्ने का मूल्य

राज्य सरकार के फैसले से किसान और उद्योग दोनों नाखुश

बिजनेस भास्कर • नई दिल्ली

गन्ने पर गरमाई राजनीति के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने आनन-फानन में नए पेराई सीजन के लिए गन्ने के राज्य समर्थित मूल्य (एसएपी) में कोई बढ़ोतरी न करने का फैसला किया है। अक्टूबर से शुरू हुए नए पेराई सीजन 2013-14 (अक्टूबर से सितंबर) में उत्तर प्रदेश के किसानों को 275 से 290 रुपये प्रति क्विंटल का ही दाम मिलेगा। चीनी उद्योग के अनुसार इससे चीनी की कीमतें कम होने के कारण नए पेराई सीजन में मिलों पर बकाया राशि का बोझ बढ़कर 12,000 से 13,000 करोड़ रुपये होने की संभावना है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने पेराई सीजन 2013-14 के लिए अगेती किस्म के गन्ने का एसएपी 290 रुपये प्रति क्विंटल, सामान्य किस्म के लिए 280 रुपये प्रति क्विंटल तथा दोयम किस्म के गन्ने के लिए 275 रुपये प्रति क्विंटल का ही दाम तय किया है। पिछले पेराई सीजन में भी किसानों को यही दाम मिला था। राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन के संयोजक वी. एम. सिंह ने कहा कि किसानों की लागत बढ़ी है, ऐसे में गन्ने के एसएपी में बढ़ोतरी नहीं करने से किसानों को घाटा होगा। पड़ोसी राज्यों हरियाणा और उत्तराखंड की राज्य सरकारें एसएपी में बढ़ोतरी कर सकती हैं तो उत्तर प्रदेश सरकार को क्या परेशानी है। चीनी के दाम तो इन राज्यों में भी समान ही है।

इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के महानिदेशक अबिनाश वर्मा के अनुसार पिछले साल पेराई सीजन के शुरू में चीनी की कीमतें 3,150 रुपये प्रति क्विंटल थी जबकि इस समय दाम 2,900 से 2,950 रुपये प्रति क्विंटल है। पेराई सीजन 2013-14 का ही मिलों पर अभी भी करीब 2,400 करोड़ रुपये बकाया है।

गन्ने का मूल्य पिछले साल के बराबर ही रखने से नए पेराई सीजन में मिलों पर बकाया राशि का बोझ बढ़कर 12,000 से 13,000 करोड़ रुपये हो सकता है। इससे किसान गन्ने की खेती से पलायन करने को मजबूर होंगे। उन्होंने गन्ने के मूल्य में कटौती की वकालत करते हुए कहा चीनी की मौजूदा कीमतों के आधार पर चालू पेराई सीजन में गन्ने का एसएपी 225 रुपये प्रति क्विंटल ही होना चाहिए।

Business Bhaskar

21/11/13